No. of Printed Pages : 4 **BSKC–132**

बी. ए. (सामान्य) संस्कृत

(बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.सी.–132 : संस्कृत गद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

(व्याख्या आधारित प्रश्न)

1. अधोलिखित गद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए :

2×20=40

(क) यथा यथा चेयं चपला दीप्यते तथा तथा दीपशिखेव कज्जलमलिनमेव कर्म केवलमुद्‌वमति। तथाहि इयं संवर्धनवारिधारा तृष्णाविषवल्लीनाम्, व्याधगीतिरिन्द्रियमृगाणाम्, परामर्शधूमलेखा सच्चरितचित्राणाम्, विभ्रमशय्या मोहदीर्घनिद्राणाम्,

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

निवासजीर्णवलभी धनमदपिशाचिकानाम्, तिमिरोद्गतिः शास्त्रदृष्टीनाम्, पुरःपताका सर्वविनयानाम्, उत्पत्ति निग्नगा क्रोधवेगग्राहाणाम्।

अथवा

केचित् श्रमवशशिथिल–शकुनिगलपुर चपलाभिः खद्योतोन्मेषमुहूर्तमनोहराभिः मनस्विजनगर्हिताभिः सम्पद्भिः प्रलोभ्यमानाः, धनधवलाभाव लेप विस्मृत जन्मनः अनेकदोषोपचितेन दोषासृजेव रागावेशेन बाध्यमानाः, विविधविषयग्रासलालसैः पञ्चभिरव्यनेक सहस्रसंख्यैः इवेन्द्रियैः आयास्यमानाः, प्रकृति–चञ्चलतायाः लब्धप्रसरेण एकेनापि शतसहस्रताभिवोपगतेन मनसा आकुलीक्रियामाणाः विह्वलताम् उपयान्ति।

(ख) अरुण एष प्रकाशः पूर्वस्यां भगवतो मरीचि–मालिनः। एष भगवान् मणिराकाशमण्डलस्य चक्रवर्ती खेचर–चक्रस्य, कुण्डलमाखण्डलदिशः, दीपको ब्रह्माण्ड भाण्डस्य, प्रेयान् पुण्डरीकपटलस्य,

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

शोक–विमोकः, कोक–लोकस्य, अवलम्बो रोलम्बकदम्बस्य सूत्रधारः सर्वव्यवहारस्य, इनश्च दिनस्य।

अथवा

मुने ! विलक्षणोऽयं भगवान सकल–कला–कलाप–कलनः सकल–कालनः करालः कालः। स एव कदाचित् पयः–पूर–पूरितान्यकूपार–तलानि मरुकरोति। सिंह–व्याघ्र–भल्लूकगण्डक–फेरु–शश–सहस्र–व्यात्तान्यख्यानि जनपदीकरोति, मन्दिर–प्रसाद–हर्म्य शृङ्गारक–चत्वरोधान–तडाग–गोष्ठमयानि नगराणि च काननीकरोति।

खण्ड—ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 700 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए। 2×15=30

2. गद्यकाव्य का उद्भव और विकास समझाइए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

पण्डिता क्षमाराव के व्यक्तित्व और कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।

3. 'शुकनासोपदेश' के आधार पर लक्ष्मी का स्वरूप समझाइए।

अथवा

'शिवराजविजय' के आधार पर शिवाजी के व्यक्तित्व को अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड—ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **250** शब्दों शब्दों में लिखिए। 5×6=30

4. गद्य के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।
5. सुबन्धु का जीवनवृत्त लिखिए।
6. चन्द्रापीड का चरित्र-चित्रण कीजिए।
7. बागभट्ट के शैलीगत वैशिष्ट्य को निरूपित कीजिए।
8. हृषीकेश भट्टाचार्य के व्यक्तित्व और कर्तृत्व पर प्रकाश डालिए।
9. पंचतन्त्र पर टिप्पणी लिखिए।
10. 'शिवराजविजय' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com